



Designed by Pria Ravichandran

फ र अ

Palanquin Thin

Palanquin ExtraLight

Palanquin Light

छ ज ढ

Palanquin Regular

Palanquin Medium

Palanquin SemiBold

प थ म

Palanquin Bold

PalanquinDark Regular

PalanquinDark Medium

ळ व

PalanquinDark SemiBold

PalanquinDark Bold

नमस्ते

Palanquin is a Unicode compliant Devanagari and Latin web type family of seven weights. In addition, Palanquin Dark comprises of four weights. It is a coherent unified multi-script type family that aims at supporting scripts that have descended from Brahmi – including Tamil, Bengali, Gujarati, Gurmukhi, Kannada, Oriya, Sinhalese, Telugu, Myanmar, Malayalam & Khmer.



# मुंबई

**may not be my city.  
But it is my kind of city.**

## Mumbai

भारत के पश्चिमी तट पर स्थित मुम्बई (पूर्व नाम बम्बई), भारतीय राज्य महाराष्ट्र की राजधानी है। इसकी अनुमानित जनसंख्या ३ करोड़ २९ लाख है जो देश की पहली सर्वाधिक आबादी वाली नगरी है। इसका गठन लावा निर्मित सात छोटे-छोटे द्वीपों द्वारा हुआ है एवं यह पुल द्वारा प्रमुख भू-खंड के साथ जुड़ा हुआ है। मुम्बई बन्दरगाह भारतवर्ष का सर्वश्रेष्ठ सामुद्रिक बन्दरगाह है। मुम्बई का तट कटा-फटा है जिसके कारण इसका पोताश्रय प्राकृतिक एवं सुरक्षित है। यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका आदि पश्चिमी देशों से जलमार्ग या वायुमार्ग से आनेवाले जहाज यात्री एवं पर्यटक सर्वप्रथम मुंबई ही आते हैं इसलिए मुम्बई को भारत का प्रवेशद्वार कहा जाता है।

Mumbai is the capital city of the Indian state of Maharashtra. It is the most populous city in India, second most populous metropolitan area in India, and the fifth most populous city in the world, with an estimated city population of 18.4 million and metropolitan area population of 20.7 million as of 2011. Along with the urban areas, including the cities of Navi Mumbai, Thane, Bhiwandi, Kalyan, it is one of the most populous urban regions in the world. Mumbai lies on the west coast of India and has a deep natural harbour. In 2009, Mumbai was named an alpha world city. It is also the wealthiest city in India, and has the highest GDP of any city in South, West or Central Asia.

ABCDEFGHIJKLMNOPQRSTUVWXYZ  
abcdefghijklmnopqrstuvwxyz  
0123456789

ओअआइईउऊऋॠएँऐएऐऑओऔ  
 कखगघङचछजझञटठडढणतथदध  
 ननपफबभमयरलळवशषसह  
 ऩिीँीँैै  
 ऽॐकखगजङढफयऋॠ॥  
 ०१२३४५६७८९०

अँअंआऔअुअुमज़षगज्ज?डब  
 ष्यश्यष्ट्ठक्ष्यध्यद्व्यत्स्वक्क्वक्प्रम्ब्रम्भ्वल्द्वक्पक्र  
 च्मज्ढड्डत्थत्थब्बत्तब्बभ्भड्डस्सप्पक्कहल्लुच्चल्ल  
 वस्तत्तयक्स्फक्क्त्वत्त्त्रत्त्यन्ध्यश्चक्रत्तृत्तृप्प

# अक्षर कला

Palanquin is a mono-linear type-family. The design is fluid following the rhythm of hand-written forms in a continuous stroke. The character set includes 896 Devanagari glyphs, and a total of 1245 glyphs including Latin & mathematical signs.

# statecraft चाणक्य अर्थशास्त्र नीति \*\*\*\*\* Vātsyāyana कामसूत्र \*\*\*\*\*

पंचतंत्र की कहानी

## चतुर खरगोश

एक वन में हाथियों का एक झुंड रहता था। झुंड के सरदार को गजराज कहते थे। वो विशालकाय, लम्बी सूंड तथा लम्बे मोटे दांतों वाला था। खंभे के समान उसके मोटे-मोटे पैर थे। जब वो चिंघाड़ता था तो सारा वन गूंज उठता था।

गजराज अपने झुंड के हाथियों से बड़ा प्यार करता था। स्वयं कष्ट उठा लेता था, पर झुंड के किसी भी हाथी को कष्ट में नहीं पड़ने देता था और सारे के सारे हाथी भी गजराज के प्रति बड़ी श्रद्धा रखते थे।

एक बार जलवृष्टि न होने के कारण वन में जोरों का अकाल पड़ा। नदियां, सरोवर सूख गए, वृक्ष और लताएं भी सूख गईं। पानी और भोजन के अभाव में पशु-पक्षी वन को छोड़कर भाग खड़े हुए। वन में चीख-पुकार होने लगी, हाय-हाय होने लगी। गजराज के झुंड के हाथी भी अकाल के शिकार होने लगे। वे भी भोजन और पानी न मिलने से तड़प-तड़पकर मरने लगे। झुंड के हाथियों का बुरा हाल देखकर गजराज बड़ा दुखी हुआ। वह सोचने लगा, कौन सा उपाय किया जाए, जिससे हाथियों के प्राण बचें।

एक दिन गजराज ने तमाम हाथियों को बुलाकर उनसे कहा, 'इस वन में न तो भोजन है, न पानी है! तुम सब भिन्न-भिन्न दिशाओं में जाओ, भोजन और पानी की खोज करो।'

हाथियों ने गजराज की आज्ञा का पालन किया। हाथी भिन्न-भिन्न दिशाओं में छिटक गए। एक हाथी ने लौटकर गजराज को सूचना दी, 'यहां से कुछ दूर पर एक दूसरा वन है। वहां पानी की बहुत बड़ी झील है। वन के वृक्ष फूलों और फलों से लदे हुए हैं।'



धन्यवाद

Many thanks to Michael Hoffman for the technical support, Dave Crossland for his trust & Anil Adireddi for the image of Mumbai used in this type-specimen.

I also thank my friends and family Aarti, Anita, Blondina, Geetika, Lakshmi, Peter & Zara for their endurance. And my dearest little Maggi for burning so much midnight oil without ever complaining.